गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिन्दी अध्ययन केंद्र

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

गांधीनगर- 382030

एम.फिल. / पीएच.डी. कोर्स वर्क

हिन्दी अध्ययन केंद्र

(16 जनवरी 2020 को आयोजित अध्ययन मण्डल की बैठक में अनुमोदित तथा 31 जनवरी 2020 को आयोजित अकादमिक परिषद की 22 वीं बैठक में कार्यसूची क्र. 12 के अंतर्गत स्वीकृत।)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

एम.फिल./पी-एचडी. कोर्स वर्क

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

हिन्दी अध्ययन केन्द्र

एम.फिल./पीएच.डी. कोर्स वर्क

प्रथम सत्र : मानसून सत्र				
प्रश्न पत्र क्र.	**अनिवार्य/ वैकल्पिक**	**प्रश्न पत्र का शीर्षक**	**Paper Title**	**कुल क्रेडिट**
HIN- 602	अनिवार्य	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया-1	Research Methodology-I	02
HIN- 603	अनिवार्य	साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ	Approach to Literary studies	02
HIN- 615	वैकल्पिक	आधुनिक हिन्दी कविता	Modern Hindi Poetry	02
HIN- 616	वैकल्पिक	आधुनिक भारतीय साहित्य	Modern Indian Literature	02
HIN- 617	वैकल्पिक	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं अनुवाद	Functional Hindi & Translation	02
HIN- 605	अनिवार्य	शोध एवं प्रकाशन नीति	Research and Publication Ethics	02
द्वितीय सत्र : शीत सत्र				
HIN- 653	अनिवार्य	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया-2	Research Methodology-II	02
HIN- 654	अनिवार्य	अस्मिता विमर्श का साहित्य	Literature of Identity Discourse	03
HIN- 665	वैकल्पिक	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	Modern Hindi Fiction	02
HIN- 666	वैकल्पिक	तुलनात्मक साहित्य	Comparative Literature	02
HIN- 667	वैकल्पिक	साहित्य, सिनेमा और समाज	Literature, Cinema & Society	02
HIN- 622	अनिवार्य	संगोष्ठी पत्र प्रस्तुति	Term Paper	01
HIN- 672	अनिवार्य	सत्रांत प्रपत्र	Seminar Paper Presentation	01

सूचना : प्रथम सत्र और द्वितीय सत्र में किसी एक वैकल्पिक प्रश्न पत्र का चयन अपेक्षित है |

हिन्दी अध्ययन केन्द्र

एम.फिल./पी-एचडी. कोर्स वर्क

HIN-602 प्रथम सत्र (मानसून सत्र)

प्रथम प्रश्न पत्र: शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया-I (Research Methodology-I) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
- पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)

- साहित्यिक विधाओं को आधार बनाकर अंतरानुशासनात्मक शोध कार्य में प्रवृत होंगे।
- शोध कार्य की सामाजिक उपादेयता से परिचित होंगे।
- शोध के माध्यम से ज्ञान के विकास में सहायक होंगे।
- विभिन्न समीक्षा सिधान्तों के आधार पर कृतियों के व्यावहारिक अनुशीलन की क्षमता विकसित होगी।

प्रथम इकाई

- शोध : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप
- तथ्यानुसंधान और तथ्य परीक्षण
- शोध और सृजनात्मकता
- शोध और आलोचना
- शोध की भाषा

द्वितीय इकाई

शोध के प्रकार

- लोकतात्विक शोध
- तुलनात्मक शोध
- पाठानुसंधान
- साहित्येतिहास शोध
- अंतरानुशासनिक शोध

शोध की पद्धतियां

- सर्वेक्षणपरक

- तुलनात्मक
- ऐतिहासिक
- समाजशास्त्रीय

द्वितीय प्रश्न पत्र: साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ (Approach to Literary studies) क्रेडिट - 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- साहित्य के वैचारिक आधारों की समझ विकसित करना।
- भारतीय और पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों का तुलनात्मक विवेक पैदा करना।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)

- संस्कृत और हिन्दी के प्रमुख काव्यशास्त्रियों /आलोचकों की साहित्य विषयक मान्यताओं को समझ पाएंगे।
- पाश्चात्य विचारकों और उनके सिद्धांतों का मूल्यांकन-विश्लेषण कर सकेंगे।
- प्रमुख साहित्यिक वादों को समझ पाएंगे।

प्रथम इकाई –

- संस्कृत आचार्यों का काव्य चिंतन- रस और ध्वनि सिद्धांत पर विशेष बल
- हिंदी आचार्यों का काव्य चिंतन- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र और अन्य

द्वितीय इकाई –

- आधुनिकतावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद
- रूपवाद, संरचनावाद एवं उत्तर संरचनावाद
- प्राच्यवाद
- अस्तित्ववाद एवं मनोविश्लेषणवाद
- यथार्थवाद, मार्क्सवाद एवं गांधीवाद

तृतीय प्रश्न पत्र : शोध एवं प्रकाशन नीति (Research & Publication Ethics) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
- शोध एवं प्रकाशन नीति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)

- शोध के दार्शनिक एवं नैतिक महत्व को समझ पाएंगे।
- प्रकाशन नीति, प्रकाशन कदाचार एवं साहित्यिक चोरी के विविध पक्षों को समझ पाएंगे
- शोध कार्य की सामाजिक उपादेयता से परिचित होंगे।
- शोध के माध्यम से ज्ञान के विकास में सहायक होंगे।

प्रथम इकाई –

- दर्शन शास्त्र: परिभाषा, स्वरूप एवं शाखाएँ
- नीतिशास्त्र: परिभाषा, स्वरूप एवं शाखाएँ
- वैज्ञानिक दृष्टि, बौद्धिक ईमानदारी और शोध निष्ठा

द्वितीय इकाई –

- प्रकाशन नीति: परिचय और महत्व
- प्रकाशन कदाचार, साहित्यिक चोरी
- शोध सम्बन्धी तकनीकी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक हिन्दी कविता (Modern Hindi Poetry) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- आधुनिक हिन्दी काव्य से संबंधित शोध की संभावनाओं से परिचित कराना।
- पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- आधुनिक हिन्दी काव्य से संबंधित शोधपरक दृष्टि विकसित कर पाएंगे।
- कविता से संबंधित सामाजिक, सांस्कृतिक शोध विषय का निर्धारण कर पाएंगे
- राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में काव्य की भूमिका को समझ पाएंगे।
- कविता के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण सजगता और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होंगे।

प्रथम इकाई –

- दीपशिखा- महादेवी वर्मा
- युगधारा- नागर्जुन

द्वितीय इकाई –

- बावरा अहेरी- अज्ञेय
- फूल नहीं रंग बोलते है- केदारनाथ अग्रवाल

चतुर्थ प्रश्न पत्र- आधुनिक भारतीय साहित्य (Modern Indian Literature) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- अंतर्भाषिक शोध की संभावना विकसित करना।
- चयनित रचनाओं के अध्ययन द्वारा भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समझना।
- साहित्य के माध्यम से भारतीयता का निर्माण करना।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- भारतीय साहित्य की अवधारणा और उसके अध्ययन से संबंधित शोध कार्य कर पाएंगे।
- भारतीय साहित्य की श्रेष्ठ विधाओं का अस्वादन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- साहित्य के माध्यम से भारत की भावात्मक एवं सांस्कृतिक एकता को समझ सकेंगे।
- भारतीय भाषाओँ एवं साहित्य में अनुवाद के महत्व को समझ सकेंगे।

प्रथम इकाई –

- भारतीय साहित्य की अवधारणा
- आधुनिक भारतीय साहित्य की पृष्ठभूमि
- उमाशंकर जोशी (गुजराती)
- विनायक कृष्ण गोकाक (कन्नड़)

द्वितीय इकाई –

कहानियां

- गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
- वृंदा कारिंदीकर (मराठी)

उपन्यास

- आनंदमठ(बांग्ला)

चतुर्थ प्रश्न पत्र- प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद (Functional Hindi & Translation) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता का विकास करना।
- हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की दक्षता का विकास करना।
- हिन्दी भाषा के विविध प्रयोजनों और आयामों से परिचित करवाना ।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की रोजगारपरकता के प्रति सजग होंगे।

- हिन्दी कम्प्यूटिंग, जनसंचार तथा अनुवाद से परिचित होंगे।

प्रथम इकाई

- राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति और व्याप्ति
- संचार माध्यमों में हिंदी

द्वितीय इकाई

- सेवा एवं जनसंचार के क्षेत्र में हिन्दी अनुवाद की समस्याएं
- कम्प्यूटर के क्षेत्र में भाषिक अनुप्रयोग

द्वितीय सत्र (शीत सत्र)

प्रथम प्रश्न पत्र – शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया-II (Research Methodology-II) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
- वैज्ञानिक एवं तार्किक ढंग से शोध प्रस्ताव तैयार करना।
- पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम)

- साहित्यिक विधाओं को आधार बनाकर अंतरानुशासनात्मक शोध कार्य में प्रवृत होंगे।
- शोध में आईसीटी के महत्व को समझ पाएंगे।
- शोध कार्य की सामाजिक उपादेयता से परिचित होंगे।
- शोध के माध्यम से ज्ञान के विकास में सहायक होंगे।
- विभिन्न समीक्षा सिधान्तों के आधार पर कृतियों के व्यावहारिक अनुशीलन की क्षमता विकसित होगी।

प्रथम इकाई

- विषय चयन
- शोध प्रस्ताव
- संबंधित साहित्य की समीक्षा
- सामग्री संकलन
- स्रोत
- विधि
- वर्गीकरण
- प्रबंध लेखन

- विषय प्रतिपादन
- शीर्षक
- अध्याय विभाजन
- भाषा
- प्रस्तुतिकरण
- विश्लेषण
- उपसंहार
- प्रबंधसा लेखन-
- सन्दर्भ ग्रंथ सूची
-

द्वितीय इकाई

- शोध के क्षेत्र में आईसीटी का प्रयोग
- कम्प्यूटर प्रायोगिकी
- ई स्रोतों का परिचय और शोध में उनकी प्रासंगिकता
- शोध सम्बन्धी तकनीक का उपयोग

द्वितीय प्रश्न पत्र – अस्मिता विमर्श का साहित्य (Literature of Identity Discourse) क्रेडिट – 03

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकी से परिचय कराना।
- शोध के माध्यम से हाशिये के समाज का अध्ययन करना।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- अस्मितामूलक हिन्दी साहित्य और उसकी अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
- साहित्यिक कृतियों में शोध के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण सजगता और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण की पड़ताल कर पाएंगे।

प्रथम इकाई –

- अस्मिताविमर्शकी सैद्धांतिकी/ वैचारिकी
- स्त्री साहित्य: अवधारणा, स्वरूप और विकास
- पितृसत्ता एवं स्त्री मुक्ति

द्वितीय इकाई -

- दलित साहित्य: अवधारणा, स्वरूप और विकास
- दलित साहित्य : प्रमुख मुद्दे और सौंदर्यशास्त्र

- आदिवासी साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- आदिवासी समाज, साहित्य और समकालीन मुद्दे
- अल्पसंख्यक साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- अल्पसंख्यक समाज और उसकी प्रमुख समस्याएं

तृतीय प्रश्न पत्र- आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (Modern Hindi Fiction) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।
- कथा साहित्य में समाजशास्त्रीय तथा अंतरानुशासनात्मक शोध की संभावना का विकास करना।
- समाजशास्त्रीय अध्ययन के अन्तःसाक्ष्य के रूप में कथाकृतियों के महत्व को समझाना।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- उपन्यास तथा कहानी के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने की क्षमता विकसित होगी।
- कथा के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण सजगता और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होंगे।
- कथा साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं से परिचित हो सकेंगे।

प्रथम इकाई –

- रंगभूमि- मुंशी प्रेमचंद
- ऐ लड़की– कृष्णा सोबती (लघु उपन्यास)

द्वितीय इकाई –

- जयशंकर प्रसाद- गुंडा
- विपथगा- अज्ञेय
- धरती अब भी घूम रही है- विष्णु प्रभाकर
- ठेस- फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- मोहन राकेश– परमात्मा का कुत्ता
- लन्दन की एक रात- निर्मल वर्मा
- मन्नू भंडारी- त्रिशंकु
- चित्र मुद्गल- हथियार
- संजीव- अपराध
- अब्दुल बिस्मिल्लाह- ग्राम सुधार
- ओमप्रकाश वाल्मीकि- सलाम
- वारेन हैंग्सटिन का सांड- उदयप्रकाश

तृतीय प्रश्न पत्र- तुलनात्मक साहित्य (Comparative Literature) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता का विकास करना।
- साहित्य एवं संस्कृति के तुलनात्मक शोध की क्षमता विकसित करना।
- तुलनात्मक साहित्य के इतिहास और परम्परा से अवगत कराना।
- तुलनात्मक साहित्य के सिद्धांतों और अध्ययन प्रविधि का आधारभूत ज्ञान कराना।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- तुलनात्मक साहित्य के स्वरूप, क्षेत्र और महत्व को बता पाएंगे।
- भारतीय तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परम्परा और इतिहास को रेखांकित कर पाएंगे।
- तुलनात्मक साहित्य की रचनाओं का मूल्यांकन-विश्लेषण कर पाएंगे।
- तुलनामक अध्ययन की क्षमता को बढा पाएंगे।

प्रथम इकाई –

- तुलनात्मक साहित्य : अवधारणाएं
- स्वतंत्र अनुशासन के रूप में तुलनात्मक साहित्य का विकास
- तुलनात्मक साहित्य : विविध संप्रदाय

द्वितीय इकाई –

- तुलनात्मक साहित्य की प्रविधियां
- तुलनात्मक साहित्य : बहुभाषिकता
- तुलनात्मक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन

तृतीय इकाई –

- तुलनात्मक साहित्य और भारतीय साहित्य के मुख्य स्रोत: वाल्मीकि रामायण, महाभारत, श्रीमद्भागवत्
- तुलनात्मक साहित्य और भक्ति आंदोलन का सन्दर्भ
- तुलनात्मक साहित्य और भारतीय नवजागरण

तृतीय प्रश्न पत्र- साहित्य, सिनेमा और समाज (Literature, Cinema & Society) क्रेडिट – 02

उद्देश्य

- साहित्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम के शिक्षक की योग्यता विकसित करना।

- हिन्दी सिनेमा के इतिहास-विकास से परिचित कराना
- सिनेमा विधा के विविध रूपों से परिचित कराना।
- सिनेमा का आस्वादन और विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना।
- सिनेमा में अभिनय, संवाद, गायन एवं अन्य तकनिकी पक्षों से परिचित कराना।

अधिगम परिणाम (आउटकम)

- सिनेमा के स्वरूप और विकास को रेखांकित कर पाएंगे।
- साहित्य और सिनेमा के संबंधों को समझ सकेंगे।
- सिनेमा का मूल्यांकन कर सकेंगे।
- सिनेमा के लिए लेखन का कौशल बढा पाएंगे।
- सिनेमा के विविध में रोजगार को तलाश कर पाएंगे।

प्रथम इकाई

- साहित्य और सिनेमा का अंत:संबंध
- भारतीय सिनेमा का विकास
- हिन्दी सिनेमा : भारतीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य
- सिनेमा की भाषा

द्वितीय इकाई

- सिने रूपांतरण के आयाम
- भारतीय साहित्य पर आधारित हिन्दी सिनेमा
- हिन्दी साहित्य और पर आधारित हिन्दी सिनेमा

संगोष्ठी पत्र प्रस्तुति (Seminar Paper Presentation) **क्रेडिट – 01**

सत्रांत प्रपत्र (Term Paper) **क्रेडिट – 01**